पब्लिक इश्युओं का बाजार (करोड़)

अवधि (अप्रैल-सितंबर)	आईपीओ (एसएमई समेत)	एफपीओ (एसएमई समेत)	ओएफएस (इन्विट-रीट ओएफएस समेत)	क्यूआईपी (इन्विट-रीट समेत)	आईपीपी	इन्विट/रीट	कुल इक्विटी	पब्लिक बॉन्ड (इन्विट/रीट के पब्लिक डेट समेत)	कुल इक्विटी +बॉन्ड
2023-24	29,032	-	15,541	20,748	-	8,426	73,747	10,992	84,738
2022-23	36,594	-	1,446	5,238	-	416	43,694	3,374	47,068
2021-22	52,325	-	11,511	17,276	-	8,795	89,907	8,685	98,592
2020-21	7,713	15,000	12,085	51,232	-	29,715	1,15,746	1,329	1,17,075
2019-20	8,674	11	10,590	17,430	-	2,306	39,012	8,559	47,571
2018-19	13,589	-	3,822	5,596	-	3,145	26,152	27,219	53,371
2017-18	27,555	-	11,794	30,581	4,668	7,283	81,881	3,896	85,777
2016-17	17,296	-	3,907	4,318	-	-	25,521	23,893	49,414
2015-16	4,950	-	12,916	12,428	-	-	30,294	2,302	32,595
2014-15	1,017	-	2,604	20,171	418	-	24,210	5,703	29,913
2013-14	1,050	-	5,626	1,222	4,180	-	12,077	8,133	20,210

स्रोत : प्राइमडेटाबेस

2023-24 की पहली छमाही में आईपीओ से धन उगाही 26% घटी

2023-24 की पहली छमाही में आईपीओ से धन उगाही 26% घटी

प्राइमडेटाबेस के मुताबिक वित्त-वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में 31 भारतीय कंपनियों ने प्रथम सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से 26,300 करोड़ रुपये की पूँजी जुटायी। यह पिछले साल की समान अवधि में 14 आईपीओ के माध्यम से जुटायी गयी 35,456 करोड़ रुपये की पूँजी से 26% कम है। हालाँकि पिछले साल आये भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के आईपीओ को छोड़ दिया जाये तो आईपीओ से धन उगाही पिछले साल के मुकाबले 76% बढ़ी है।

प्राइमडाटाबेस समूह के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया के मुताबिक पब्लिक इक्विटी के माध्यम से जुटायी जाने वाली राशि 2022-23 की पहली छमाही में 43,694 करोड़ रुपये के मुकाबले वित्त-वर्ष की पहली छमाही में 69% के इजाफे के साथ 73,747 करोड़ रुपये पर रही।

वित्त-वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में सबसे बड़ा आईपीओ मैनकाइंड फार्मा का रहा। इसका आकार 4,326 करोड़ रुपये था। इसके बाद जेएसडब्लू इन्फ्रास्ट्रक्चर (2,800 करोड़ रुपये) और आरआर केबल (1,964 करोड़ रुपये) के आईपीओ का स्थान है। वहीं सबसे छोटा, 67 करोड़ रुपये का आईपीओ प्लाजा वायर्स का रहा। पहली छमाही में आये कुल 31 आईपीओ में से 21 आईपीओ अगस्त और सितंबर के दो महीनों में ही आये हैं।

हल्दिया के मुताबिक इन छह महीनों में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा क्षेत्र (बीएफएसआई) की आईपीओ बाजार में हिस्सेदारी केवल 1525 करोड़ रुपये या 6% की रही, जो पिछले साल इन्हीं छह महीनों में 61% थी। नये युग की तकनीकी कंपनियों (न्यू एज टेक) क्षेत्र से यात्रा का एकमात्र आईपीओ आया, जिससे इस क्षेत्र के आईपीओ में सुस्ती का संकेत मिलता है।

इस वित्त-वर्ष के पहली छमाही में 48 कंपनियों ने बाजार नियामक सेबी को अपने ऑफर दस्तावेज सौंपे, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 45 कंपनियाँ नियामक के पास पहुँची थीं। वहीं इस अवधि में 23 कंपनियों ने कुल लगभग 43,000 करोड़ रुपये के आईपीओ की स्वीकृतियों की अवधि खत्म हो जाने दी और तय अवधि में अपने आईपीओ बाजार में नहीं उतारे, जबकि दो कंपनियों ने कुल 5,500 करोड़ रुपये के अपने आईपीओ के आवेदन सेबी से वापस ले लिये और सेबी ने एक कंपनी के ऑफर को ठुकरा दिया। आगे इस वित्त-वर्ष की दूसरी छमाही में आईपीओ की कतार काफी मजबूत दिख रही है। सेबी से 28 कंपनियों को 38,000 करोड़ रुपये की पूँजी जुटाने के लिए मंजूरी मिल चुकी है। वहीं, 41 कंपनियाँ कुल 44,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी की स्वीकृति का इंतजार कर रही हैं।